वार्षिकः पाठ्यक्रम सत्र 2018–19

कक्षा –छठी विषय : हिन्दी

(प्रतिभा समूह)

प्रथम सत्र (अप्रैल, 2018 से सितम्बर, 2018 तक)

विषयवस्तु	अधिगम–संप्राप्ति
वसंत, भाग–1 1. वह चिड़िया जो (कविता) (केदारनाथ अग्रवाल)	• उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं। अपने आसपास के वातावरण और जीव–जंतुओं का विश्लेषण और संरक्षण सक्रिय रूप से करते हैं।
2. बचपन (संस्मरण) (कृष्णा सोबती)	• संस्मरण का उचित आरोह–अवरोह और भावानुकूल वाचन करते हैं। लेखिका के बचपन के साथ स्वयं के बचपन को जोड़कर देखते हैं, समझते हैं और विश्लेषण करते हैं। अपने जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण रोचक अथवा किसी भी अन्य प्रसंग पर लिखने और बोलने का प्रयास करते हैं।
3. नादान दोस्त (कहानी) (प्रेमचंद)	• कहानी का उचित आरोह–अवरोह के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। कहानी के विभिन्न पात्रों, घटनाओं और स्थितियों को समझकर तथा उससे संबद्ध होकर अपनी कल्पना का विकास करते हैं। जीव–जंतुओं के प्रति बालसुलभ करूणा, दया और संरक्षण को नैतिक द्वंद्वों को विश्लेषित करते हुए अपने निष्कर्ष की ओर बढ़ते हैं।
4. चाँद से थोड़ी गप्पें (कविता) (शमशेर बहादुर सिंह)	• कविता का उचित–आरोह और लय के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। अपनी कल्पना शक्ति का विकास करते हुए कविता के मूल भाव को समझकर कविता–लेखन में प्रवृत्त होते हैं।
5. अक्षरों का महत्व (निबंध)	• उचित आरोह–अवरोह के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। अपने जीवन में भाषा और

(गुणाकर मूले)	लिपि के महत्व को समझते हैं। निबंध में वर्णित तथ्यों का अपनी सहज बुद्धि और ज्ञान के आधार पर विश्लेषण करते हैं।
6. पार नजर के (कहानी) (जयंत विष्णु नार्लीकर)	• उचित आरोह–अवरोह के साथ कहानी का भावानुकूल वाचन करते हैं। कहानी में वर्णित पात्रों, घटनाओं और स्थितियों से स्वयं को सम्बद्ध करते हुए अपनी कल्पना के आधार पर कहानी को आगे बढ़ाते हैं। पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को समझते हुए इसके लिए अपने स्तर पर सक्रिय प्रयास करते हैं। विज्ञापनपरक, कल्पनामिश्रित अन्य पाठों को पढ़ने का प्रयास करते हैं।
7. साथी हाथ बढ़ाना (गीत) – केवल पढ़ने के लिए (साहिर लुधियानवी)	• गीत का उचित–आरोह और लय के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। अपनी कल्पना शक्ति का विकास करते हुए गीत के मूल भाव को समझकर कविता–लेखन में प्रवृत्त होते हैं।
8. ऐसे–ऐसे (एकांकी) (विष्णु प्रभाकर)	• एकांकी का यथोचित आरोह–अवरोह के साथ पात्रानुकूल और भावानुकूल वाचन करते हैं। एकांकी के मूल कथ्य को अपने जीवन और अनुभवों से जोड़कर देखते हैं। एकांकी का कक्षा में अभिनय करते हैं।
9. टिकट अलबम (कहानी) (सुंदरा रामस्वामी)	• कहानी को पढ़कर उसके मूल कथ्य को समझते हैं। पढ़ने के लिए अनेक युक्तियों का प्रयोग करते हैं। अपने आसपास होनेवाली घटनाओं से कहानी को जोड़कर आपस में अपने अनुभवों के आधार पर चर्चा करते हैं।
व्याकरण और रचना ➢ वर्णमाला और मात्राओं का अभ्यास ➢ भाषा एवं लिपि ➢ संज्ञा (व्यक्तिवाचक,	➢ हिंदी वर्णमाला ओर मात्राओं का उचित प्रयोग करते हैं। ➢ भाषा और लिपि की सामान्य परिभाषा जानकर दिल्ली में प्रयुक्त प्रमुख भाषाओं और लिपियों के नाम जानते हैं।

जातिवाचक एवं भाववाचक) ➢ सर्वनाम ➢ विलोम शब्द ❖ विद्यार्थियों के स्तर, रुचि, समसामयिक आवश्यकता और अधिगम संप्राप्ति के आधार पर विविध प्रकार के औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास। संकेत हेतु कुछ विषय :– ▪ अवकाश हेतु प्रधानाचार्य को पत्र। ▪ पुस्तकें मँगवाने हेतु पुस्तक विक्रेता को पत्र। ▪ अपनी यात्रा का विवरण बताते हुए मित्र को पत्र। ▪ अपनी बहन को जन्मदिन पर शुभकामना संदेश वाले पत्र। आदि ❖ विद्यार्थियों के स्तर, रुचि और	➢ संज्ञा की परिभाषा का बोध करते हुए अपनी पाठ्यपुस्तक में व्यक्तिवाचक और जातिवाचक संज्ञा की पहचान करते हैं। ➢ सर्वनाम की परिभाषा का सामान्य बोध और अपनी भाषिक प्रयुक्ति में इसके महत्व को समझकर प्रयोग करते हैं। विभिन्न सार्वनामिक कोटियों की पहचान करते हुए अपनी अभिव्यक्ति में इनका यथोचित प्रयोग करते हैं। ➢ विलोम शब्द का बोध करते हुए अपनी अभिव्यक्ति में उसका उचित प्रयोग करते हैं। ❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के अंतर को समझते हैं। ❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को समझकर उनसे संबंधित सामान्य निर्देशों का पालन करते हैं। ❖ अपनी आवश्यकता, रूचि और कल्पना के आधार पर विभिन्न विषयों पर पत्र लिखते हैं। ❖ अपने घर–परिवार, रिश्तेदार तथा अन्य स्वजनों को उनके जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर पत्र लेखन के माध्यम से शुभकामना अथवा अन्य बधाई संदेश देते हैं। ❖ अपनी भावनाओं और रागात्मक संबंधों को सहज रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी रुचि एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।

अधिगम संप्राप्ति के आधार पर विभिन्न विषयों पर निबंध लेखन। संकेत के लिए कुछ विषय :– ■ मेरा प्रिय मित्र ■ कक्षा में मेरा पहला दिन ■ सफाई का महत्व ■ मेरा विद्यालय ■ स्वतंत्रता दिवस वर्षा ऋतु आदि।	❖ अपनी रुचि एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।
बाल रामकथा (पूरक पुस्तक) 1. अवधपुरी में राम 2. जंगल और जनकपुर 3. दो वरदान 4. राम का वन गमन 5. चित्रकूट में भरत दंडकवन में दस वर्ष	● विद्यार्थी पाठगत विचारों से अवगत होकर अपने दैनिक जीवन में उनका न्यूनाधिक प्रयोग करते हैं। ● अपनी सांस्कृतिक विरासत को जानेंगे, समझेंगे तथा अभिव्यक्त करते हैं। ● मूल्यपरक विचारों, भावनाओं से अवगत होकर अपने दैनिक जीवन में उन मूल्यों को आत्मसात करते हैं।
मध्यावधि परीक्षा	
द्वितीय सत्र (अक्टूबर, 2018 से मार्च, 2019 तक)	
विषयवस्तु	**अधिगम–संप्राप्ति**
10. झाँसी की रानी (कविता) (सुभद्रा कुमारी चौहान)	कविता का उचित हाव–भाव, लय, आरोह–अवरोह के साथ वाचन और गायन करते हैं। भारतीय महान स्वतंत्रता सेनानियों के राष्ट्र के प्रति योगदान को समझकर उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करते हैं। राष्ट्र के निर्माण और विकास में महिलाओं के योगदान को रेखांकित करते हुए उन्हें पुरूषों के समान समझते हैं।

11. जो देखकर भी नहीं देखते (निबंध) (हेलन केलर) ● छूना और देखना (केवल पढ़ने के लिए)	● पाठ को पढ़कर उसके मूल कथ्य का विश्लेषण करते हैं। प्रकृति के साथ घनिष्ठता का बोध करते हैं। अपनी कल्पना, पर्यवक्षेण और विश्लेषण के आधार पर पाठ में व्यक्त विचारों पर आपस में चर्चा करते हैं। दिव्यांग व्यक्तियों के साथ संवेदनशील बनते हैं।
12. संसार पुस्तक है (पत्र) (जवाहर लाल नेहरू)	• पत्र के माध्यम से प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं के प्रति जिज्ञासा का भाव उत्पन्न करते हैं। पत्र विधा के बारे में जानते हैं।
13. मैं सबसे छोटी होऊँ (कविता) (सुमित्रानंदन पंत)	• उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कंठस्थ करते हुए कविता का वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य और भाव–पक्ष को समझते हैं। अपने सगे–संबंधियों के प्रति अपने रागात्मक भाव को व्यक्त करते हैं।
14. लोकगीत (निबंध) (भगवतशरण उपाध्याय) ● दो हरियाणवी लोकगीत (केवल पढ़ने के लिए)	● उचित आरोह–अवरोह के साथ धाराप्रवाह रूप से निबंध का वाचन करते हैं। अपने जीवन के विभिन्न अवसरों पर गाए जाने वाले लोकगीतों की पहचान करते हुए मानव जीवन और संवेदनाओं के लिए लोकगीतों के महत्व को समझते हैं। भारत के विभिन्न भागों में गाए जाने वाले महत्वपूर्ण लोकगीतों को जानते हैं।
15. नौकर (निबंध) (अनु बंद्योपाध्याय)	● मानव श्रम के प्रति सम्मानजनक दृष्टिकोण रखते हैं। अपनी कथनी और करनी के मध्य साम्यता के मूल्य को समझते हैं।
16. वन के मार्ग में (सवैया) (तुलसीदास)	● उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता को कंठस्थ करके वाचन करते हैं। राम–सीता और लक्ष्मण के वन के मार्ग में होने वाले कठिनाइयों को समझते हैं। कविता को अपने और अपने आस–पास के जीवन से जोड़कर विश्लेषित करते हैं।
17. साँस–साँस में बाँस (निबंध) (एलेक्स एम॰ जार्ज) ● मत बाँटो इंसान को (केवल पढ़ने के लिए)(विनय महाजन)	● निबधं के मूल कथ्य को समझते हैं। मानव जीवन में विशेषकर उत्तर–पूर्वी राज्यों में बाँस के महत्व को जानते हैं। भारतीय परंपरा में बाँस के विस्तृत और महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हैं। प्रकृति के अन्य उपादानों का अपने जीवन–जगत में महत्व विश्लेषित करते हुए अन्य विषयों पर निबंध लिखते हैं।

व्याकरण और रचना → विशेषण एवं उसके भेद → लिंग, वचन और काल → पर्यायवाची शब्द	• विशेषण की परिभाषा का सामान्य बोध करते हैं। उसके भेदों की पहचान भी कर सकते हैं। अपनी भाषिक अभिव्यक्ति में विशेषण के महत्व को समझते हुए प्रयोग करते हैं तथा अपने पाठ्यपुस्तक में प्रयुक्त विशेषण के उदाहरणों की पहचान करते हैं। • लिंग, वचन और काल की परिभाषा का बोध करते हैं। पाठ में प्रयुक्त लिंग, वचन और कारक की पहचान करते हैं। अपनी भाषिक अभिव्यक्ति में इनका उचित प्रयोग करते हैं। • पर्यायवाची शब्द की संकल्पना को समझते हैं। अपनी भाषिक अभिव्यक्ति में पर्यायवाची शब्दों का महत्व समझते हुए संदर्भ और प्रसंग के अनुसार उचित पर्यावाची शब्द का चुनाव करते हैं।
❖ विद्यार्थियों के स्तर, रुचि, समसामयिक आवश्यकता और अधिगम संप्राप्ति के आधार पर विविध प्रकार के औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास। संकेत हेतु कुछ विषय :– ▪ सफाई हेतु स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र ▪ अपने विद्यालय में पेयजल उपलब्ध कराने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र ▪ अपने भाई को परीक्षा में प्रथम आने पर बधाई पत्र ▪ अपनी बहन को संबोधित कोई भी अभिव्यक्ति पत्र	❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के अंतर को समझते हैं। ❖ औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को समझकर उनसे संबंधित सामान्य निर्देशों का पालन करते हैं। ❖ अपनी आवश्यकता, रुचि और कल्पना के आधार पर विभिन्न विषयों पर पत्र लिखते हैं। ❖ अपने घर–परिवार, रिश्तेदार तथा अन्य स्वजनों को उनके जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर पत्र लेखन के माध्यम से शुभकामना अथवा अन्य बधाई संदेश देते हैं। ❖ अपनी भावनाओं और रागात्मक संबंधों को सहज रूप से अभिव्यक्त करते हैं।
❖ विद्यार्थियों के स्तर, रुचि और अधिगम संप्राप्ति के आधार पर	• अपनी रुचि एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन

विभिन्न विषयों पर निबंध लेखन। संकेत के लिए कुछ विषय :– ■ प्रदूषण की समस्या ■ मेरी रेल/बस यात्रा ■ मेरी आदर्श महिला ■ मेरा प्रिय त्योहार आदि।	करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं।
पूरक पुस्तक : बाल रामायण 7. सोने का हिरण 8. सीता की खोज 9. राम और सुग्रीव 10. लंका में हनुमान 11. लंका विजय 12. राम का राज्याभिषेक	● विद्यार्थी पाठगत विचारों से अवगत होकर अपने दैनिक जीवन में उनका न्यूनाधिक प्रयोग करते हैं। ● अपनी सांस्कृतिक विरासत को जानेंगे, समझेंगे तथा अभिव्यक्त करते हैं। मूल्यपरक विचारों, भावनाओं से अवगत होकर अपने दैनिक जीवन में उन मूल्यों को सफलीभूत करते हैं।
समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति	
वार्षिक परीक्षा एवं परिणाम	

नोट :–

☆ वार्षिक परीक्षा में प्रथम सत्र के निम्न पाठों से भी प्रश्न पूछे जाएँगे :–

- बचपन
- नादान दोस्त
- ऐसे–ऐसे
- साथी हाथ बढ़ाना